रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

युवा ही राष्ट्र के निर्माता हैं–कुलपति प्रो. मिश्र
राज्य स्तरीय युवा उत्सव विजेता छात्र–छात्राओं का हुआ सम्मान

जबलपुर 23 मार्च। राज्य स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन महाराजा छत्रसाल बुंदेलखण्ड वि.वि. की संगठन व्यवस्था में दिनांक 10 एवं 11 मार्च 2022 को सम्पन्न हुआ जिसमें रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 65 सदस्यीय दल ने 18 विधाओं में सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि इस दल द्वारा समूह नृत्य में प्रथम, स्किट में द्वितीय, एकल वादन में प्रथम, भाषण में तृतीय, एकल गायन (सुगम) में तृतीय, कार्टून में तृतीय, प्रश्न मंच में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दल का नेतृत्व प्रो. किरण सिंह, शासकीय गृह विज्ञान महाविद्यालय, जबलपुर ने किया।

उक्त विजेता दल द्वारा आज माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र से सौजन्य भेंट किया गया। मान. कुलपति प्रो. मिश्र ने विजेता दल को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि युवा ही राष्ट्र के निर्माता हैं। कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने भी विजेता दल को अपनी शुभकानाएं दी। उक्त कार्यक्रम छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर समन्वयक सांस्कृतिक प्रकोष्ठ डॉ. आर.के. गुप्ता, डॉ. सुनील देश पान्डे, डॉ. वर्षा अगलावे, डॉ. रजनी शर्मा, छात्र–छात्राओं में नम्रता तिवारी, अनुराधा गुप्ता, अनन्या यादव, राबिन सिंह, देवराज, तान्या सोनी, श्रुति सिंह ठाकुर, तनुश्री शर्मा, आरुषि बक्शी आदि उपस्थित रहे।

.....

शहीदे आजम भगत सिंह को पुष्पांजलि

जबलपुर 23 मार्च़। शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव के 'बलिदान दिवस' पर आज विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती पार्क में शहीदे आजम भगत सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनकी कुर्बानी को याद किया गया। माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने कहा कि शहीदे आजम भगत सिंह, राजगुरू एवं सुखदेव युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा उनके संदेशों को ग्रहण कर राष्ट्र के प्रति अपने को समर्पित करे।

इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्रा, डॉ. आर.के. गुप्ता, सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा, डॉ. सुनील देश पान्डे, डॉ. रजनी शर्मा, डॉ. वर्षा अगलावे, श्रीलाल बैगा सहित विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राएं एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

.....

सभी को मिलकर करनी होगी जलस्रोतों की चिन्ता, तभी मिलेगी जल संकट से निजात– कुलपति प्रो. मिश्र
– विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान संस्थान में एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर 23 मार्च। भारतीय संस्कृति में जल का अपना महत्व है। हमें अनेक प्रकार के जलस्रोत विरासत में मिले हैं। यदि हमने इस विरासत को संभाल कर नहीं रखा तो आने वाली पीढ़ियाँ हमें माफ नहीं करेंगी। हमारे देश के गांव–गांव में परम्परागत कुएं, बावड़ी व तालाब बने हुए हैं। पिछले वर्षों में लम्बे समय से हम इनकी अनदेखी करते आ रहे हैं। इन्हें या तो तोड़फोड़ दिया गया है या प्राकृतिक रूप से नष्ट हो गए हैं। आगे से इन जलस्रोतों की चिन्ता सभी मिलाकर करेंगे तभी जल संकट से निजात मिल सकेगी। ये विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में विश्व जल दिवस के मौके पर आयोजित संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किये।

विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान संस्थान द्वारा विश्व जल दिवस के मौके पर "जल है तो कल है" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। विवि विज्ञान भवन में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार श्री गंगाचरण मिश्र ने कहा कि जल प्रकृति की अनमोल धरोहर है। बिना पानी के जीवन संभव नहीं है। आज सबसे बड़ी जरूरत जल संरक्षण की है। हमें भी मां नर्मदा को प्रदूषित होने के संकल्प के साथ नर्मदा जल संरक्षण पर ध्यान केन्द्रित करना है। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद इंजी. संजय वर्मा ने कहा कि गाँव–गाँव और शहर–शहर में बने हुए जलस्रोतों का पुनरुद्धार किया जाना आवश्यक है। मोहल्ले, गाँव, शहर जहां भी ऐसे स्रोत हैं वहां के लोग मिलकर इन जलस्रोतों की जिम्मेदारियाँ अपने ऊपर लें। मिलकर इनमें जमा कूड़े–कचरे, मिट्टी, कंकड़, झाड़–झंखर को हटाएँ। जलस्रोतों के जल मार्ग में आने वाले अवरोध व नाजायज कब्जे हटाएं। जलस्रोतों के रखरखाव में अपनी व दूसरे लोगों की भागीदारी सुनिश्चित किए जाने की आवश्यकता है। संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में विवि कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह ने कहा कि जल प्रकृति की देन है हमें इसका संग्रहण भी करना है, संयोजन भी करना है। इस पर हर व्यक्ति का बराबर का अधिकार है। संचालन एवं आभार प्रदर्शन विवि कृषि एवं विज्ञान संस्थान व कौशल विकास विभाग निदेशक एवं संगोष्ठी समन्वयक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने सभी से जल संवर्धन एवं संरक्षण का आव्हान किया। इस मौके पर आयोजन समिति के डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. मीनल दुबे, डॉ. डीएस राजपूत, डॉ. रोहित पांडे, भावना यादव, श्वेता तिवारी, इंजी. महावीर त्रिपाठी सहित सभी विद्यार्थी मौजूद रहे।

.....

रादुविवि में तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मेलन 25 मार्च से

जबलपुर 23 मार्च। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय व्यावसायिक अध्ययन और कौशल विकास संस्थान एवं विवि आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आत्म निर्भर भारतः वर्तमान स्थिति, बाधाएं और समाधान विषय पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मेलन का आयोजन दिनांक 25 मार्च 2022 से किया जा रहा है। माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली इस त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की जानकारी देते हुए विवि कौशल विकास विभाग निदेशक प्रो. सुरेन्द्र सिंह ने बताया कि साउथ एशिया मैनेजमेंट एसोसिएशन के सहयोग से 25 मार्च से 27 मार्च 2022 तक आयोजित इस त्रिदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं सम्मेलन में 800

से अधिक प्रतिभागियों के ऑनलाईन पंजीयन प्राप्त हो चुके हैं। विवि आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. राजेश्वरी राणा ने बताया कि विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में 25 मार्च 2022 को प्रातः 10.15 से आयोजन का शुभारंभ होगा। आयोजन में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय विषय विशेषज्ञ शामिल रहेंगे। आयोजन समिति के डॉ. अजय मिश्रा, डॉ. अनिल मेहरा ने बताया कि 25 मार्च 2022 को विवि के पं. कुंजीलाल दुबे प्रेक्षागृह में प्रातः 8.30 से प्रातः 10 बजे तक ऑन द स्पॉट रजिस्ट्रेशन किये जायेंगे। अधिक से अधिक प्रतिभागियों से उपस्थिति की अपील की गयी है।